कठै जाऊ किनने जाके

कठै जाऊ किनने जाके दुखड़ा सुनाऊ,
तू भी न सुने तो बाबा कौन ने सुनाऊ,
कठै और जाऊ ,
समजे सुने न कोई अर्ज लगाऊ,
तू भी न सुने तो कौने सुनाऊ,,
कठै जाऊ...

रिश्ता तो कई माहरा अपना न कोई,
मैं दीवाना दर्द न जानो मेरो कोई,
किन किन के आगे मैं अपनी झोली मैं बिशाऊ,
तू भी न सुने तो कौने सुनाऊ,,
कठै जाऊ...

दुनिया की बेठियो बेठियो बिगड़ी बनावे,
लिख्यो के भी विद्याता मेरे समज नहीं आवे,
मैं भी कोनिया चाहु तेरे आंसुड़ा बहाउ,
तू भी न सुने तो कौने सुनाऊ,,
कठै जाऊ...

लेहरी हु बाबा हीरा मोती न मांगू,
जगह दे चरना में कुछ भी न मांगू,
लिख वा वे तू ही तेरी ही किरपा है गाऊ,
तू भी न सुने तो कौने सुनाऊ,,
कठै जाऊ...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8900/title/kathe-jaake-keene-jaake-dukhda-sunaau

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |